नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी देश की प्राण-नाडी है -कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन, प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों का वितरण

वर्धा दि. 01 अक्तूबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाडे के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि हिंदी देश की प्राण-नाडी है। हमें हिंदी को विचार की भाषा बनाकर उसका ज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उपयोग करना चाहिए।

हिंदी पखवाडे का समापन समारोह हबीब तनवीर सभागार में आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत प्रतिभागियों को कुलपति, प्रतिकुलपति तथा कुलसचिव द्वारा पुरस्कृत किया गया। समारोह में प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र मंचासीन थे। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य हिंदी अधिकारी राजेश यादव ने, संचालन डॉ. राकेश मिश्र ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने किया।

प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि हिंदी संकल्प और प्रेरणा का विषय है। हिंदी को व्यापक फलक पर विस्तारित करने के लिए हमें औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आना होगा।

पुरस्कारों में सुलेख प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार शरद बकाले को, द्वितीय पुरस्कार प्रवीण

शेलके को, तृतीय पुरस्कार हेमा गावंडे को तथा सांत्वना पुरस्कार वर्षा शेंडे को दिया गया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार डॉ. अमित विश्वास को, द्वितीय पुरस्कार उमाशंकर बघेल को तथा तृतीय पुरस्कार संजय तिवारी को प्रदान किया गया। कविता पाठ का प्रथम पुरस्कार नटराज वर्मा, द्वितीय रिचा श्रीवास्तव, तृतीय अशोक मिश्र को तथा सांत्वना पुरस्कार अरविंद देवलिया को प्रदान किया गया। निबंध प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार वेद प्रकाश को, द्वितीय किशोर जाधव, तृतीय राम प्रसाद कुमरे को तथा सांत्वना पुरस्कार उमाशंकर को प्रदान किया गया। टंकन प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार राम प्रसाद कुमरे को, द्वितीय विजय यादव, तृतीय पुरस्कार कांचन शेंडे को तथा सांत्वना पुरस्कार अभय मांडवकर को दिया गया।

इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार रजनीश अग्रहरी, अनिल गुप्ता ऋषिकेश बहादुर को, द्वितीय पुरस्कार दक्षम द्विवेदी, राकेश गांधी, फिरोज

को, तृतीय पुरस्कार कार्तिक राय, सौरव कुमार, चंचल कुमारी को तथा सांत्वना पुरस्कार स्वाती अवस्थी, प्रीति दुबे, स्वाती यादव को दिया गया। समारोह में प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में

रहे प्रो. मनोज कुमार, प्रो. सूरज पालीवाल, प्रो. के. के. सिंह, प्रो. फरहद मलिक, डॉ. रामानुज अस्थाना, अशोक मिश्र, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. संदीप सपकाले, डॉ. हरीश हुनगुंद, डॉ. रवि कुमार, डॉ. वीर पाल सिंह यादव, डॉ. अख्तर आलम, बी. एस. मिरगे, डॉ. राजेश्वर सिंह, डॉ. अमित विश्वास, गिरीश पांडे, के. के. त्रिपाठी, पंकज पाटिल, अजय प्रताप सिंह, रवि वानखेडे, सचिन बोडखे को भी कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र के द्वारा पुरस्कृत किया गया। समारोह के अंत में मधुमिता ओझा और नटराज वर्मा ने काव्यपाठ किया। इस अवसर पर शिक्षा विद्यापीठ के

अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा, प्रो. के. के. सिंह सहित अध्यापक, अधिकारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।